



उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

Uttarakhand Open University

Ref. No. UOU/आर/वि.परि./30/2024

Date: 16 नवम्बर, 2024

सेवा में,

1. प्रोफेसर एच0सी0 पोखरियाल, कार्यकारी निदेशक (सेवानिवृत्त), मुक्त शिक्षा विद्याशाखा, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली।
2. प्रोफेसर पी0एस0 बिष्ट, विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग एवं परिसर निदेशक, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा।
3. डॉ0 मनु प्रताप सिंह, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर साइंस विभाग, डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा।
4. प्रोफेसर ब्रजेश कुमार पाण्डेय, **Rector**, जे0एन0यू0, डीन, संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन विद्याशाखा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
5. डॉ0 एच0सी0 पुरोहित, प्रोफेसर एवं डीन, प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा, दून विश्वविद्यालय, देहरादून।
6. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष द्वारा नामित एक व्यक्ति जो संयुक्त सचिव से निम्न पंक्ति का न हो।
7. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
8. प्रोफेसर पी0डी0 पंत, निदेशक, भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
9. प्रोफेसर रेनु प्रकाश, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
10. प्रोफेसर जीतेन्द्र पाण्डेय, निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
11. प्रोफेसर दुर्गेश पंत, आचार्य, कम्प्यूटर विज्ञान, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
12. डॉ0 एम0एम0 जोशी, आचार्य, इतिहास, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
13. डॉ0 प्रवेश कुमार सहगल, सह-आचार्य, जन्तु विज्ञान, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
14. डॉ0 अरविन्द भट्ट, सह-आचार्य, गणित, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
15. डॉ0 नीरजा सिंह, सहायक आचार्य, समाज कार्य, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
16. डॉ0 सुमित प्रसाद, सहायक आचार्य, प्रबंध अध्ययन, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
16. श्री सूर्य प्रताप सिंह, मुख्य वित्त अधिकारी, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी (आमंत्रित सदस्य)।
17. प्रोफेसर सोमेश कुमार, परीक्षा नियंत्रक, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी (आमंत्रित सदस्य)।

महोदय/महोदया,

दिनांक 16 नवम्बर, 2024 (शनिवार) को सम्पन्न उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 30वीं बैठक का कार्यवृत्त संलग्न कर प्रेषित है। कार्यवृत्त में यदि कोई संशोधन हो तो, कृपया अवगत कराने का कष्ट करें, ताकि कार्यवृत्त की पुष्टि के समय प्रस्तावित संशोधन को संज्ञान में लेते हुए यथा आवश्यक परिवर्तन/संशोधन किया जा सके।

सादर,

भवदीय,

(खेमराज भट्ट)

कुलसचिव/ सदस्य सचिव, विद्या परिषद


प्रतिलिपि:- कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति महोदय के सूचनार्थ प्रेषित।

दिनांक 16 नवम्बर, 2024 (शनिवार) को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में प्रातः 11.30 बजे विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में सम्पन्न विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 30वीं बैठक का कार्यवृत्त।

बैठक में निम्नलिखित द्वारा प्रतिभाग किया गया:-

1. प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी, अध्यक्ष
कुलपति,
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,
हल्द्वानी।
2. प्रोफेसर एच0सी0 पोखरियाल, सदस्य
कार्यकारी निदेशक (सेवानिवृत्त),
मुक्त शिक्षा विद्याशाखा, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली।
3. प्रोफेसर पी0एस0 बिष्ट, सदस्य
विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग एवं परिसर निदेशक,
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा।
4. डॉ0 एच0सी0 पुरोहित, सदस्य
प्रोफेसर एवं डीन,
प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा, दून विश्वविद्यालय,
देहरादून।
5. प्रोफेसर ब्रजेश कुमार पाण्डेय, सदस्य
Rector, जे0एन0यू0,
डीन, संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन विद्याशाखा
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
(वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभाग किया गया)
6. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, सदस्य
निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा,
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।
7. प्रोफेसर रेनु प्रकाश, सदस्य
निदेशक, मानविकी विद्याशाखा,
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।


Registrar
Uttarakhand Open University,
Haldwani (Nainital)


कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी जिला नैनीताल (उत्तराखण्ड)

- | | | |
|-----|--|----------------|
| 08. | प्रोफेसर एम0एम0 जोशी, आचार्य, इतिहास, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी। | सदस्य |
| 09. | डॉ0 प्रवेश कुमार सहगल सह-आचार्य, जन्तु विज्ञान, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी। | सदस्य |
| 10. | डॉ0 अरविन्द भट्ट, सह-आचार्य, गणित, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी। | सदस्य |
| 11. | डॉ0 नीरजा सिंह, सहायक आचार्य, समाज कार्य, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी। | सदस्य |
| 12. | डॉ0 सुमित प्रसाद, सहायक आचार्य, प्रबन्ध अध्ययन, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी। | सचिव |
| 13. | श्री खेमराज भट्ट, कुलसचिव, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी। | सदस्य सचिव |
| 14. | प्रोफेसर सोमेश कुमार, परीक्षा नियंत्रक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी | आमंत्रित सदस्य |

माह अगस्त, 2024 में विश्वविद्यालय विद्या परिषद का पुर्नगठन होने के उपरान्त परिषद की यह प्रथम बैठक आयोजित की गयी। बैठक आरम्भ होने से पूर्व सर्वप्रथम सदस्य सचिव, विद्या परिषद द्वारा कुलपति/अध्यक्ष, विद्या परिषद तथा बैठक में उपस्थित समस्त सदस्यों/आमंत्रित सदस्यों का विश्वविद्यालय विद्या परिषद की 30वीं बैठक में स्वागत किया गया।

तदुपरान्त माननीय कुलपति जी द्वारा बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्यों- प्रोफेसर एच0सी0 पोखरियाल, प्रोफेसर पी0एस0 बिष्ट, डॉ0 एच0सी0 पुरोहित तथा आभासीय माध्यम से बैठक में उपस्थित प्रोफेसर बृजेश कुमार पाण्डेय का स्वागत करते हुए बैठक में प्रतिभाग हेतु उनका विशेष आभार व्यक्त करते हुए समस्त सदस्यों/आमंत्रित सदस्यों का विद्या परिषद की 30वीं बैठक में स्वागत किया गया।


Registrar
Uttarakhand Open University
Haldwani (Nainital)

2


कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी जिला नैनीताल (उत्तराखण्ड)

समस्त सदस्यों/आमंत्रित सदस्यों के स्वागतोपरान्त माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से प्रस्तुत कार्यसूची में सम्मिलित प्रत्येक प्रस्ताव को सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद के सम्मुख प्रस्तुत किया गया। विद्या परिषद द्वारा प्रत्येक प्रस्ताव का अवलोकन कर सम्यक विचारोपरान्त सर्वसम्मति से प्रस्तुत प्रस्तावों पर निम्नानुसार अनुमोदन प्रदान किया गया:-

प्रस्ताव संख्या 30.01- विद्या परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 26.06.2024 के कार्यवृत्त की पुष्टि एवं अनुमोदन।

सदस्य सचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि विद्या परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 26.06.2024 का कार्यवृत्त विश्वविद्यालय के पत्र संख्या-यू0ओ0यू0/R/वि0परि0/29/2024, दिनांक 28.06.2024 द्वारा सभी सम्मानित सदस्यों के मध्य इस अनुरोध के साथ परिचालित किया गया था कि कार्यवृत्त में यदि कोई संशोधन प्रस्तावित हो तो अवगत कराने का कष्ट करें, ताकि कार्यवृत्त की पुष्टि के समय प्रस्तावित संशोधन को संज्ञान में लेते हुए यथा आवश्यक परिवर्तन किया जा सके। तदनुसार परिचालित कार्यवृत्त पर माननीय सदस्यों से कोई असहमति/संशोधन प्राप्त नहीं हुआ है।

निर्णय:- विद्या परिषद द्वारा उक्तानुसार प्रस्ताव से अवगत होते हुए सर्वसम्मति से विद्या परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 26.06.2024 के कार्यवृत्त की पुष्टि को अनुमोदित किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.02- विद्या परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 26.06.2024 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही।

विद्या परिषद की 29वीं बैठक दिनांक 26.06.2024 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही में सम्मिलित समस्त प्रस्तावों पर हुई कार्यवाही से सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया।

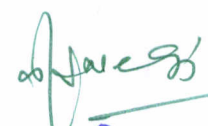
निर्णय:- विद्या परिषद द्वारा 29वीं बैठक दिनांक 26.06.2024 के निर्णयों पर हुई कृत कार्यवाही से अवगत होते हुए विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक प्रस्ताव पर की गयी कृत कार्यवाही पर सहमति व्यक्त करते हुए सर्वसम्मति से यथावत अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.03- विश्वविद्यालय में नवम दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने से पूर्व विद्या परिषद की अनुमति लिये जाने के संबंध में।

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-10 में विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष एक बार दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने की व्यवस्था वर्णित है। इस परिनियम के अन्तर्गत विनिर्मित अध्यादेश के अध्याय ग्यारह में भी दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने से संबंधित विस्तृत उल्लेख है। परिनियमावली की उक्त व्यवस्थानुसार विश्वविद्यालय का नवम दीक्षान्त समारोह माह दिसम्बर, 2024 में दिनांक 16.12.2024 से दिनांक 21.12.2024 के मध्य में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।


Registrar
Jttarakhand Open University
Haldwani (Nainital)

3


कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी जिला नैनीताल (उत्तराखण्ड)

दीक्षान्त समारोह की तिथि निर्धारित किये जाने हेतु माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय को विश्वविद्यालय द्वारा पत्र प्रेषित किया गया है।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पीएच0डी0(शोध उपाधि) में 11 स्नातक में 9824 स्नातकोत्तर में 7259 पी0जी0 डिप्लोमा में 01 शिक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। पीएच0डी0(शोध उपाधि)/स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी0जी0 डिप्लोमा स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण कुल 17095 शिक्षार्थियों को दीक्षान्त समारोह में उपाधियां एवं विभिन्न कार्यक्रमों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 24 स्वर्ण पदक प्रदान किये जाने हैं जिसमें 19 नियमित स्वर्ण पदक (05 स्नातक स्तर व 14 स्नातकोत्तर स्तर), 02 कुलाधिपति स्वर्ण पदक तथा 03 प्रायोजित स्वर्ण पदक (Sponsored Madel) हैं जिनकी सूची प्रस्ताव के साथ रक्षित है।

निर्णय:- विद्या परिषद द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के साथ संलग्न पीएच0डी0(शोध उपाधि)/स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी0जी0 डिप्लोमा स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण शिक्षार्थियों एवं स्वर्ण पदक विजेताओं की सूची का अवलोकन किया गया। तदुपरान्त परिषद द्वारा विश्वविद्यालय के नवम दीक्षान्त समारोह में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तरों पर उत्तीर्ण कुल 17084 शिक्षार्थियों एवं 11 शोध उपाधि धारकों कुल 17095 शिक्षार्थियों को उपाधि एवं विभिन्न कार्यक्रमों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 24 स्वर्ण पदक (19 नियमित स्वर्ण पदक (05 स्नातक स्तर व 14 स्नातकोत्तर स्तर), 02 कुलाधिपति स्वर्ण पदक तथा 03 प्रायोजित स्वर्ण पदक (Sponsored Madel) प्रदान किये जाने पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

उक्तानुसार संलग्न सूची में दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने तक होने वाले आंशिक संशोधन एवं दीक्षान्त समारोह के 02 दिन पूर्व तक पीएच0डी0(शोध उपाधि) की मौखिक परीक्षा सम्पन्न होने पर संबंधित शिक्षार्थियों को दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्रदान किये जाने की अनुमति प्रदान किये जाने हेतु परिषद द्वारा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति/अध्यक्ष विद्या परिषद को अधिकृत किया गया। साथ ही यह व्यवस्था दी गयी कि इस हेतु पृथक से विद्या परिषद की बैठक आयोजित किये जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रस्ताव संख्या 30.04- विश्वविद्यालय परिनियमावली में वर्णित व्यवस्थानुसार विश्वविद्यालय के नवम दीक्षान्त समारोह में उत्तराखण्ड राज्य के 02 विशिष्ट व्यक्तियों को मानद उपाधि प्रदान किये जाने के संबंध में विचार।

प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय-आठ 'मानद उपाधि प्रदान करना' (धारा 5(चार)) परिनियम 36(4) में वर्णित व्यवस्थानुसार उत्तराखण्ड राज्य के 02 विशिष्ट व्यक्तियों को समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विश्वविद्यालय के नवम दीक्षान्त समारोह में मानद उपाधि (Honoris Causa) प्रदान की जानी प्रस्तावित है।

निर्णय:-

मानद उपाधि (Honoris Causa) हेतु विश्वविद्यालय को प्राप्त 02 विद्वत जन- डॉ० हेम चन्द्र, पूर्व कुलपति, हेमवती नन्दन बहुगुणा उत्तराखण्ड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय, देहरादून तथा डॉ० वैशाली गुप्ता, फाउण्डर वैदिक वास्तु हब, देहरादून, उत्तराखण्ड का जीवन परिचय विद्या परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया गया। परिषद द्वारा सम्यक विचारोपरान्त मानद उपाधि हेतु प्रस्तुत संबंधित विद्वत जनों के नाम की संस्तुति कार्य परिषद के माध्यम से माननीय कुलाधिपति महोदय को उचित कार्यवाही व अनुमोदन हेतु संदर्भित किये जाने पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.05- गणित विभाग के पीएच०डी० शोधार्थी श्री मोहम्मद इरशाद खान नामांकन संख्या- 23304155 की दिनांक 29.10.2024 को सम्पन्न मौखिक परीक्षा की आख्या का अनुमोदन।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि गणित विभाग के पीएच०डी० शोधार्थी श्री मोहम्मद इरशाद खान नामांकन संख्या-23304155 शोध शीर्षक "COMPOSITION OPERATORS: ANTINORMAL OPERATORS WITH SOME RELATION TO ISOMETRIC PROPERTIES" हेतु पीएच०डी० मौखिक परीक्षा डॉ० अरविन्द भट्ट, शोध निदेशक एवं बाह्य विशेषज्ञ प्रोफेसर रमेश चन्द्र डिमरी की ऑन-लाईन उपस्थिति में दिनांक 29.10.2024 को सम्पन्न करा ली गयी है। मौखिक परीक्षा की आख्या को माननीय कुलपति जी द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

| पीएच.डी. शोधार्थी का नाम | नामांकन संख्या | शोध निर्देशक | पीएच.डी. मौखिक परीक्षा की तिथि | विभाग/ विषय | शोध शीर्षक |
|--------------------------|----------------|------------------|--------------------------------|-------------|---|
| मोहम्मद इरशाद खान | 23304155 | डॉ० अरविन्द भट्ट | 29.10.2024 | गणित | "COMPOSITION OPERATORS : ANTINORMAL OPERATORS WITH SOME RELATION TO ISOMETRIC PROPERTIES" |

निर्णय:-

विद्या परिषद द्वारा उक्तानुसार माननीय कुलपति जी की स्वीकृति पर सर्वसम्मति से यथावत अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.06- प्रबन्ध अध्ययन विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री सुधीर कुमार पंत नामांकन संख्या-19199189 की दिनांक 08.11.2024 को सम्पन्न मौखिक परीक्षा की आख्या का अनुमोदन।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि प्रबन्ध अध्ययन विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री सुधीर कुमार पंत नामांकन संख्या-19199189 शोध शीर्षक “Implementation of Financial Technologies in Public Sector Banks and its Adoption amongst Customers: A Descriptive Study” हेतु पीएच0डी0 मौखिक परीक्षा प्रोफेसर मंजरी अग्रवाल, शोध निदेशक एवं बाह्य विशेषज्ञ प्रोफेसर नागेश्वर राव द्वारा दिनांक 08.11.2024 को सम्पन्न करा ली गयी है। मौखिक परीक्षा की आख्या को माननीय कुलपति जी द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

| पीएच.डी. धार्थी का नामशो | नामांकन संख्या | शोध निर्देशक | पीएच.डी. मौखिक परीक्षा की तिथि | विभाग/विषय | शोध शीर्षक |
|--------------------------|----------------|------------------------|--------------------------------|---------------|---|
| सुधीर कुमार पंत | 19199189 | प्रोफेसर मंजरी अग्रवाल | 08.11.2024 | प्रबंध अध्ययन | “Implementation of Financial Technologies in Public Sector Banks and its Adoption amongst Customers: A Descriptive Study” |

निर्णय:- विद्या परिषद द्वारा उक्तानुसार माननीय कुलपति जी की स्वीकृति पर सर्वसम्मति से यथावत अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.07- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में पंजीकृत शिक्षार्थियों के लिए NCVET/several Sector Skill Councils (SSCs) के सहयोग से NSQF से संबद्ध और NCVET से मान्यता प्राप्त कौशल आधारित पाठ्यक्रम संचालित किये जाने के संबंध में प्रस्ताव।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में पंजीकृत शिक्षार्थियों के लिए NCVET/several Sector Skill Councils (SSCs) के सहयोग से NSQF से संबद्ध और NCVET से मान्यता प्राप्त कौशल आधारित पाठ्यक्रम भविष्य में संचालित किया जाना प्रस्तावित है। इस संबंध में कार्यक्रम समन्वयक, व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा द्वारा एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। संबंधित प्रस्ताव का विस्तृत विवरण संलग्नक के रूप में विद्या परिषद के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

निर्णय:- विद्या परिषद द्वारा विश्वविद्यालय के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए प्रस्तुत प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.08- विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा अध्ययन प्रकोष्ठ खोले जाने के संबंध में प्रस्तुत प्रस्ताव पर विचार।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि भारतीय संस्कृति के आरम्भ से ही संस्कृत भाषा शोध तथा अध्ययन-अध्यापन के माध्यम के रूप में प्रतिष्ठित है। अतः भारतीय ज्ञान शाखा संस्कृत में ही नीहित है। इसका तात्पर्य यह है कि संस्कृत केवल भाषा मात्र नहीं अपितु भारतीय ज्ञान परम्परा की शब्द राशि है। संस्कृत में एक लाख से भी अधिक पांडुलिपियाँ हैं जिनमें असीमित ज्ञान है। यह सभी अप्रकाशित हैं इनका संपादन और प्रकाशन संस्कृत के ज्ञान से ही संभव हो सकता है। संस्कृत भाषा सम्पूर्ण भारत देश में व्यापक है। इसी के माध्यम से भारतवर्ष एक सूत्र में निबद्ध था इसलिए भारतवर्ष की अखंडता के लिए संस्कृत ज्ञान आवश्यक है। भारत की लगभग सभी भाषाएं संस्कृत की शब्दावली को प्रचुर मात्रा में प्रयोग करती हैं इसीलिए क्षेत्रीय भाषाओं में संस्कृत की शब्दावली उनकी जीवन दृष्टि का विकास करती है। अतः संस्कृत अन्य भाषाओं को समझने में सहायक भी बनती है। बहुविषयी शिक्षा, सम्पूर्ण विकास, जड़ से जग तक, मानव से मानवता तक की बात राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में समावेशित है। सांस्कृतिक रूप से बेशुमार भाषाओं और बोलियों के साथ-साथ शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत, लोक कला की विकसित परंपराएं, मिट्टी के पात्र, मूर्तियां और कांस, उम्दा वास्तु कला, असाधारण व्यंजन, हरेक प्रकार के शानदार टेक्सटाइल और भी बहुत कुछ, यह सब जीवन के सभी क्षेत्रों में हमारे महान विविधता को प्रदर्शित करता है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा अध्ययन प्रकोष्ठ खोलने का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में भारतीय ज्ञान परम्परा को पुनर्स्थापित करना है। जिससे हमारी प्राचीनतम भारतीय ज्ञान, विरासत, परम्परा एवं शिक्षण पद्धतियों के सनातन मूल्यों को आधुनिक शैक्षणिक पद्धति व व्यवस्था में अभिसंचित कर भारतीय ज्ञान को पुनः शिरमोर कर सकें।

निर्णय:-

विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा अध्ययन प्रकोष्ठ खोले जाने हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव की विद्या परिषद द्वारा सराहना करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। तदक्रम में परिषद के माननीय बाह्य सदस्य- प्रोफेसर एच0सी0 पोखरियाल, प्रोफेसर ब्रजेश कुमार पाण्डेय, प्रोफेसर एच0सी0 पुरोहित तथा प्रोफेसर पी0एस0 बिष्ट द्वारा मत व्यक्त किया गया कि उक्त प्रस्ताव राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अन्तर्गत भी आवश्यक है।

अतः परिषद द्वारा एकमत होकर सुझाव दिया गया कि वर्तमान परिपेक्ष्य में उत्तराखण्ड राज्य की ऐतिहासिक धरोहरों, पांडुलिपियों आदि को संग्रहित कर संरक्षित किये जाने पर व्यापक रूप में अध्ययन व शोध की दृष्टि से भारतीय ज्ञान परम्परा अध्ययन प्रकोष्ठ के बजाय पृथक से एक विद्याशाखा स्थापित की जानी चाहिए। नवीन विद्याशाखा को विश्वविद्यालय परिनियमावली में समावेशित किये जाने पर उचित कार्यवाही किये जाने हेतु परिषद द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव विश्वविद्यालय की कार्य परिषद को संदर्भित किये जाने पर निर्णय लिया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.09- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (DEB) द्वारा विश्वविद्यालय हेतु शैक्षणिक सत्र 2024-25 में संचालित किये जाने वाले विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की मान्यता प्रदान किये जाने के संबंध में सूचना।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (DEB) द्वारा विश्वविद्यालय को शैक्षणिक सत्र 2024-25 में विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित किये जाने की मान्यता प्रदान की गयी है जिनका विवरण निम्नवत् है:-

1. Master of Tourism & Travel Management
2. Master of Science (Geo-informatics)
3. Masters of Arts (Yoga)
4. Bachelor of Arts (Hons) (Yoga)
5. Bachelor of Education - Special Education (Visual Impairment)
6. Bachelor of Education - Special Education (Hearing Impairment)

निर्णय:- प्रस्तुत प्रस्ताव से विद्या परिषद अवगत हुई तथा विश्वविद्यालय द्वारा की गयी तत्संबंधी कृत कार्यवाही पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.10- विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं के अन्तर्गत सम्पन्न अध्ययन बोर्डों (Board of Studies) की संस्तुतियों का अनुमोदन।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर सदस्य सचिव द्वारा विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy)-2020 लागू किये जाने हेतु पर्यटन आतिथ्य एवं होटल प्रबन्धन विद्याशाखा के अन्तर्गत पर्यटन एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत योग विषय की विभिन्न तिथियों में सम्पन्न अध्ययन बोर्डों (Board of Studies) द्वारा NEP के तहत पाठ्यक्रम निर्मित किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

| क्रम सं० | विद्या शाखा का नाम | विषय | कार्यक्रम का नाम | संलग्नक |
|----------|---------------------------------|--------|---|---|
| 1. | पर्यटन आतिथ्य एवं होटल प्रबन्धन | पर्यटन | Bachelor of Tourism and Travel Management (BTTM) | अध्ययन बोर्ड की दिनांक 18.06.2024 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त पाठ्यक्रम सहित। |
| 2. | स्वास्थ्य विज्ञान | योग | <ul style="list-style-type: none">• बी0ए0 योग (ऑनर्स)• एम0ए0 योग | अध्ययन बोर्ड की दिनांक 25.10.2024 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त पाठ्यक्रम सहित। |

उक्तानुसार पर्यटन आतिथ्य एवं होटल प्रबन्धन विद्याशाखा के अन्तर्गत पर्यटन तथा स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत सम्पन्न योग विषय के अध्ययन बोर्ड की संस्तुतियों विद्या परिषद के अवलोकनार्थ/अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है। पर्यटन एवं योग विषय के अध्ययन बोर्ड द्वारा NEP के तहत निर्मित पाठ्यक्रम/पी0पी0आर/पाठ्यक्रम संशोधन आदि से संबंधित समस्त अभिलेखों का अवलोकन किये जाने हेतु उक्तानुसार अध्ययन बोर्ड की पत्रावलियों भी विद्या परिषद के सम्मुख प्रस्तुत की जा रही है।

निर्णय:- विद्या परिषद द्वारा उक्तानुसार सम्पन्न अध्ययन बोर्डों की संस्तुतियों एवं अध्ययन बोर्ड द्वारा NEP के तहत निर्मित पाठ्यक्रम/पी0पी0आर/पाठ्यक्रम संशोधन आदि से संबंधित समस्त अभिलेखों का अवलोकन कर पर्यटन एवं योग विषय की अध्ययन बोर्ड की संस्तुतियों पर सर्वसम्मति से यथावत अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 30.11- अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्ताव।

1. विद्या परिषद द्वारा अग्निवीरों, पैरामिलिट्री एवं पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त कर्मियों के सशक्तीकरण हेतु रोजगार परक कौशल विकास से संबंधित प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किये जाने पर बल दिया गया तथा उक्त पाठ्यक्रमों को संचालित किये जाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय सेना/पैरामिलिट्री/पुलिस के साथ एक अनुबन्ध हस्ताक्षर किये जाने पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।
2. विश्वविद्यालय में स्थापित महिला अध्ययन केन्द्र के अन्तर्गत उत्तराखण्ड के गाँवों से पलायन रोके जाने विषयक पर महिला सशक्तीकरण के लिए विभिन्न प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किये जाने पर विद्या परिषद द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अन्तर्गत आगनबाड़ी, आशा कार्यकर्ताओं एवं भोजन माताओं में नेतृत्व क्षमता के विकास एवं कौशल विकास हेतु प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रम निर्मित किये जाने पर विद्या परिषद द्वारा निर्णय लिया गया।
4. अहमदाबाद में आयोजित भारतीय मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के सम्मेलन में लिये गये निर्णयानुरूप विश्वविद्यालय के शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर कार्मिकों की कार्य दक्षता में वृद्धि किये जाने हेतु देश के अन्य मुक्त विश्वविद्यालयों के अन्तर्गत Staff Exchange Programme(SEP) व Best Practices के आदान-प्रदान का विद्या परिषद द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया। उक्त प्रस्ताव के संबंध में माननीय कुलपति जी द्वारा सूचित किया गया कि सभी मुक्त

विश्वविद्यालय SEP के अन्तर्गत TA/DA व अवकाश की व्यवस्था स्वयं करेंगे, जबकि Local Expenses व Boarding Lodging की व्यवस्था आयोजक/मेजबान संस्थान द्वारा किया जायेगा।

5. वर्तमान परिपेक्ष्य में युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य व सकारात्मक सोच (Mental Health & Positive Thinking) पर प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किये जाने पर विद्या परिषद द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।
6. भारतीय ज्ञान परम्परा आदि से संबंधित प्रमाण-पत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को संचालित किये जाने हेतु जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के साथ अनुबन्ध किये जाने पर विद्या परिषद द्वारा निर्णय लिया गया।
7. Distance Education Bureau (DEB) द्वारा स्थापित व्यवस्था के अन्तर्गत आगामी शैक्षणिक सत्र से सभी स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों को 4 year Honours पाठ्यक्रम में upgrade करने पर परिषद द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

कार्यसूची में सूचीबद्ध समस्त प्रस्तावों एवं अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार-विमर्श एवं अनुमोदन के उपरान्त विद्या परिषद के सदस्य सचिव/कुलसचिव द्वारा सभी माननीय सदस्यों/आमंत्रित सदस्यों, विशेषकर बाह्य सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी सदस्यों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अन्त में अध्यक्ष महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक सम्पन्न हुई।

कुलसचिव/ सदस्य सचिव, विद्या परिषद

Registrar
Uttarakhand Open University
Haldwani (Nainital)

कुलपति/अध्यक्ष, विद्या परिषद

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी जिला नैनीताल (उत्तराखण्ड)